हिंदुस्तान जिंक और एएफआरआई मिलकर चंदेरिया में विकसित करेंगे हरित क्षेत्र

चित्तौड़गढ़। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स में उच्च घनत्व वाले वैज्ञानिक पौध रोपण और हरित क्षेत्र विकसित करने के लिए आईसीएफआरई-अरिड फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एएफआरआई), जोधपुर के साथ तीन वर्षीय एमओयू किया है। इसका उद्देश्य स्थानीय प्रजातियों पर आधारित, जलवायु अनुकूल और जैव विविधता को बढ़ावा देने वाली जंगल जैसी पारिस्थितिकी विकसित करना है। एमओयू के तहत एएफआरआई हिंदुस्तान जिंक का तकनीकी एवं ज्ञानसाझेदार होगा। संस्थान पौध रोपण की योजना, उपयुक्त प्रजातियों के चयन, मिट्टी व जल अध्ययन, निगरानी तथा हरित क्षेत्र के दीर्घकालिक प्रबंधन में वैज्ञानिक मार्गदर्शन देगा। यह पहल हिंदुस्तान जिंक के 'नो नेट लॉस ऑफ बायोडायवर्सिटी' लक्ष्य को भी सहयोग देगी। इस अवसर पर हिंदुस्तान जिंक के चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स एसबीयू डायरेक्टर आलोक रंजन, हेड-एनवायरनमेंट मनीषा भाटी एवं पी. मनोजकुमार तथा एएफआरआई के निदेशक डॉ. ए.के. त्रिपाठी सहित वैज्ञानिक एवं परियोजना टीम के सदस्य मौजूद रहे। आलोक रंजन ने कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन का आदर्श मॉडल बनेगी तथा सतत विकास एवं कॉर्पोरेट जिम्मेदारी के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी। वहीं डॉ. ए.के. त्रिपाठी ने कहा कि उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से जैव विविधता संरक्षण और हरित क्षेत्र विस्तार को नई गति मिलेगी।